राजस्थान पत्रिका

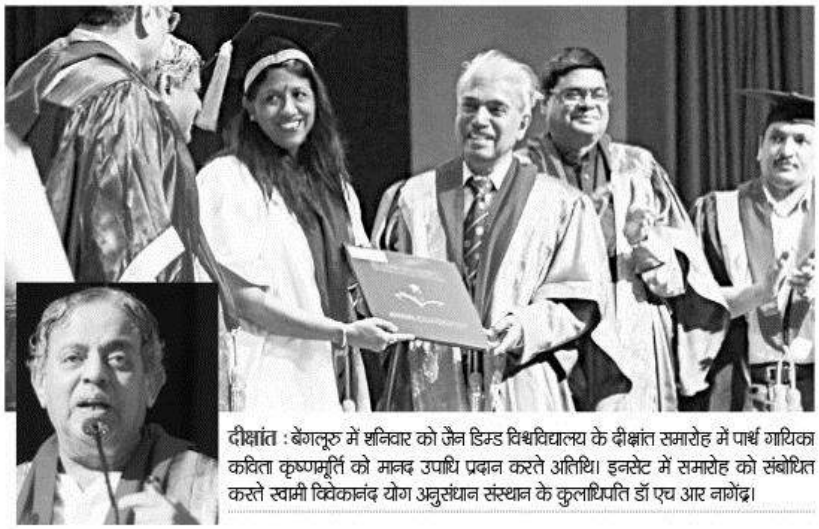

दीक्षांत : बेंगलूरु में शनिवार को जैन डिम्ड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में पार्श्व गायिका कविता कृष्णमूर्ति को मानद उपाधि प्रदान करते अतिथि। इनसेट में समारोह को संबोधित करते स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान के कुलाधिपति डॉ एच आर नागेंद्र।

शिक्षा को देवत्व से जोड़कर देखने की जरूरत: डॉ. नागेन्द्र

चेतना अध्ययन की ओर आकर्षित हो रहे वैज्ञानिक

कविता कृष्णमूर्ति को पीएचडी की मानद उपाधि

2374 विद्यार्थियों को डिग्री, 64 को स्वर्ण पदक

जैन डिम्ड विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

बेंगलूरु @ पत्रिका

patrika.com/city

जैन डिम्ड विश्वविद्यालय ने जक्कसंद्रा स्थित जैन ग्लोबल कैंपस में शनिवार को अपना 5वां दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया। स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान के चांसलर व समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.एच.आर.नागेन्द्र ने दीक्षांत भाषण दिया। सृष्टि की हर चीज भौतिक दुनिया के अधीन है और परमाणु और क्वार्क के बाहर कोई दुनिया नहीं है जैसे वैज्ञानिक विश्वासों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि परमाणु और क्वार्क के आगे भी एक दुनिया है। चेतना की दुनिया। अब तो आधुनिक वैज्ञानिक भी चेतना अध्ययन की ओर आकर्षित होने लगे हैं। शिक्षा का लक्ष्य केवल सूचनाएं एकत्र करना या फिर खुद को ज्यादा अक्लमंद बनाना नहीं है। शिक्षा को चेतना और देवत्व से जोड़ कर देखने की जरूरत है। इस अवसर पर प्लेबैक सिंगर कविता कृष्णमूर्ति को पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने इस उपाधि को अपनी संगीत साधना का उपहार और लोगों का प्रेम बताया। बाद में स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान विषयों के 2,374 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

64 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से नवाजा गया। एमफील की दिव्या सी. सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी चुनी गईं। इससे पहले जैन विवि के कुलपति डॉ.एन. सुंदरराजन ने स्वागत भाषण दिया।